INDIRA GANDHI UNIVERSITY, MEERPUR (REWARI)

Public Relations Office

Name of the Publication(s) .. अमर उजाला .... हरिभूमि punjabkesari

Date . 17.03.2023 ..... Page(s) ..04;10;04 ..... Column(s) .02,03,02.....

Subject .....

- इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में व्याख्यान में बोले डॉ. हरीश दुरेजा।
- औषधीय विज्ञान व हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारा भविष्य।
- आईजीयू में 'हेल्थ केयर में बुद्धिमत्ता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारा भविष्य

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में व्याख्यान में बोले डॉ. हरीश दुरेजा

संवाद न्यूज एजेंसी

रेवाड़ी। मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के औषधीय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश दुरेजा रहे।

फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। डॉ. हरीश दुरेजा ने बताया कि औषधीय विज्ञान और हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारा भविष्य है।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य वक्ता डॉ. हरीश दुरेजा व छात्र। विशेष

उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में कैसे संकलित हो गया है तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा फार्मा कंपनिया ''फार्मा कंपनिया 4.ओ'' में प्रवेश करेंगी। विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने कार्यक्रम सफल बनाने में सभी छात्रों तथा शिक्षकों और मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और औषधीय विज्ञान के विकसित क्षेत्रों के लिए मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए, जिससे विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के प्रति उत्साहित होंगे। मंच संचालन डॉ. बीना कुमारी ने किया। इस दौरान शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारियों सहित पीएचडी स्कॉलर और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

औषधीय विज्ञान व हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारा भविष्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶रेवाड़ी

इंदिरा गांधी विश्वविधालय मीरपुर के फामेसी विभाग की ओर से 'हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक के औषधीय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश दुरेजा रहे। फामेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. दुरेजा ने कहा कि औषधीय विज्ञान तथा हेल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग

रेवाड़ी। कार्यक्रम मे उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो हरिभूमि

हमारा भविष्य है। उन्होंने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के द्वारा फार्मा कंपनिया 4.0 मे प्रवेश करेंगी। विभागाध्यक्ष ने कहा कि व्याख्यान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और औषधीय विज्ञान के विकसित क्षेत्रों के लिए मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए गए, जिससे विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के प्रति उत्साहित होंगे। मंच संचालन डॉ. बीना कुमारी ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक व गैर-शिक्षक कर्मचारियों सहित पीएचडी स्कॉलर व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'हैल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषय पर व्याख्यान का आयोजन

रेवाड़ी, 16 मार्च (चधवा): इंदिरा गांधी विश्वविधालय, मीरपुर, रेवाड़ी के फार्मेसी विभाग द्वारा 'हैल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता' विषय पर एक विस्तारवादी व्याख्यान का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के औषधीय विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हरीश दुरेजा रहे। फार्मेसी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने मुख्य वक्ता का स्वागत करते हुए

इंदिरा गांधी विश्वविधालय, मीरपुर आयोजित आख्यान में भाग लेते विद्यार्थी। (चधवा)

कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

मुख्य वक्ता डॉ. हरीश दुरेजा ने अपने वक्तव्य में सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि औषधीय विज्ञान तथा हैल्थ केयर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग हमारा भविष्य है।

विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार ने कार्यक्रम सफल बनाने में सभी छात्रों तथा शिक्षकों व मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इस व्याख्यान ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और औषधीय विज्ञान के विकसित क्षेत्रों के लिए मूल्यवान दृष्टिकोण प्रदान किए जिससे विद्यार्थी अपने शोध कार्यों के प्रति उत्साहित होंगे।

कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. बीना कुमारी द्वारा किया गया। इस दौरान शिक्षक, गैर-शिक्षक कर्मचारियों सहित पीएच.डी. स्कॉलर व भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।